LOK SABHA

Wednesday, December 23, 1964/ Pausa 2, 1886 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

भ्रष्टाचार विरोधी कार्यवाही

*634. श्री विभूति मिश्र :
श्री क० ना० तिवारी :

क्या गृह कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत सरकार की विशेष पुलिस स्थापना को भ्रष्टाचार दूर करने में तथा इसको कम करने में कितनी सफलता मिली है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री हाथी) : विशेष पुलिस संस्थान ने भ्रष्टाचार के मामलों को प्रकाश में लाने और अपराधियों से स्पष्टीकरण मांगने में बहुत काम किया है। फिर भी, इस बात का ठीक ठीक अनमान लगाना कठिन है कि विशेष पुलिस द्वारा उठाये गये कदमों के परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार को रोकने में कहां तक सफलता मिली। परन्तु 1-11-63 से 31-10-64 तक की अवधि में विशेष पुलिस संस्थान की कार्यवाहियों पर एक विवरण जो सभी दिशाओं में इस बुराई के विरुद्ध आन्दोलन की गति के बढ़ने का सूचक है सदन के सभा-पटल पर रखा जा रहा है।

[पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल० टी०—3713/64]

श्री विभूति मिश्र : इस विवरण को देखने से पता चलता है कि अभी जो सरकार के बड़े बड़े अफसरान आई० सी० एस०, आई० ए० एस० आदि के सी० पी० डब्लू० डी० और पुलिस डिपार्टमेंट में रहते हैं वे रिटायर होने के बाद प्राइवेट कम्पनियों में चले जाते हैं और वहां पर उनके जाने से उनके सरकारी कार्यकाल के दौरान जो मातहत कर्मचारी रहे हैं उन पर एक अवांछनीय असर पड़ता है और जो कि बुराई पैदा करता है तो इस सम्बन्ध में सरकार क्या कोई रोकथाम कर रही है कि सरकार के यह जो बड़े बड़े अफ़सर रिटायर हों वे कुछ दिनों तक प्राइवेट कम्पनियों में न जा सकें ?

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य ने सवाल तो पूछा है कि भ्रष्टाचार के निराकरण में इस विशेष पुलिस संस्थान का असर क्या पड़ा है और अब वह चले गये एक दूसरे ही मजमून पर।

श्री विभूति मिश्र : इस स्टेटमेंट को पढ़ने से पता चलता है . .

अध्यक्ष महोदय : आप ने पूछा तो है कि यह स्पेशल पुलिस इस्टैबलिशमेंट कितने भ्रष्टाचार और रिश्वत आदि को रोक सकी है लेकिन अब आप चले गये अफसरों के रिटायर होने के बाद बड़ी कम्पनियों में उनके सर्विस करने की तरफ

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष महोदय, मेरी सुन तो लीजिये। मेरा कहना यह है कि

इस कारण यह जो स्पेशल पुलिस इस्टैबलिशमेंट भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के केसेज़ पकड़ नहीं पाता है तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने स्पेशल पुलिस द्वारा ऐसे मामले पकड़ में लाने के लिए कोई इन्तज़ाम किया है ?

श्री हाथी : संथानन कमेटी की जो रिपोर्ट है उसमें उन्होंने एक सुझाव यह भी दिया है कि सरकारी अफसरान के रिटायर होने के बाद वे दो साल तक किसी भी प्राइवेट कमर्शियल. इंटरप्राइज़ में काम न कर सकें और सरकार ने उनके उस सुझाव को मान्य किया है और उसके अनुसार अभी किसी को हमने उस अवधि से पहले काम करने की मंजरी नहीं दी है ।

श्री विभूति मिश्र : यह जो स्पेशल पुलिस है वह स्टेट गवर्नमेंट के जो कारिन्दे हैं उन पर भी यह निगरानी रखती है या केवल सेंट्रल गवर्नमेंट के कारिन्दों पर ही यह निगरानी रखती है ?

श्री हाथी : विशेष पुलिस संस्थान का जो अधिकार क्षेत्र है वहीं तक वह स्टेट्स में काम करती है लेकिन सभी काम वह नहीं करती है ।

श्री क० ना० तिवारी : इस स्टेटमेंट में दिया गया है कि बहुत से लोग पकड़े गये हैं तो मैं यह जानना चाहता हूं कि "हिन्दी टाइम्स" के 16 नवम्बर, 1964 के अंक में जो यह छपा :—

> "होटल इजारेदार जनता और सरकार को धोखा दे रहे हैं सार्वजनिक क्षेत्र को धोखा देने वाले अधिकारियों का गोरखधन्धा"

और ब्लिट्ज़ अखबार के 14 नवम्बर, 1963 के अंक में जो यह छपा:—

> "प्राइवेट होटल टाईकून्स, प्लाट टु स्कटल दी अशोका"

क्या इस की तरफ़ सरकार का ध्यान गया है, यदि गया है तो क्या स्पेशल पुलिस ने इस सम्बन्ध में कोई इनक्वायरी की है, यदि की है तो सरकार ने उस सम्बन्ध में अब तक क्या कार्यवाही की है और यदि नहीं की है तो क्यों नहीं की है ?

श्री हाथी : मैं मैम्बर साहब के सवाल का पहला भाग नहीं समझा हूं ।

श्री क० ना० तिवारी : मैंने पूछा था कि हिन्दी टाइम्स के 16 नवम्बर, 1963 में जो यह ख़बर छपी है जिसका कि शीर्षक है :—

> "होटल इजारेदार जनता और सरकार को धोखा दे रहे हैं सार्वजनिक क्षेत्र को धोखा देने वाले अधिकारियों का गोरखधन्धा"

और ब्लिट्ज़ अखबार के 14 नवम्बर, 1963 में जो यह छपा है :—

> "प्राइवेट होटल टाईकून्स, प्लाट टु स्कटल दी अशोका" . .

अध्यक्ष महोदय : अब स्पेशल पुलिस इस्टेबलिशमेंट से इसका क्या सम्बन्ध आता है ?

श्री क० ना० तिवारी : यह करप्शन में आता है इसलिये उससे सम्बन्धित हो जाता है ।

अध्यक्ष महोदय : वह करप्शन केस में नहीं आता है ।

श्री क० ना० तिवारी : अब मंत्री महोदय ने अपने स्टेटमेंट में जो यह बतलाया है कि हमने विभिन्न भ्रष्टाचार आदि के मामलों में स्पेशल पुलिस द्वारा जांच कराई है और विभिन्न विभिन्न जगहों के इतने केसेज पकड़े हैं, तो इस सवाल को पूछने से मेरा मतलब यह है कि यह जो समाचार हिन्दी टाइम्स और ब्लिट्ज अखबार में निकला है क्या इन के ऊपर सरकार का ध्यान

गया है और यदि गया है तो क्या उन्होंने स्पेशल पुलिस द्वारा इन की जांच कराई है और अगर नहीं कराई है तो क्यों नहीं कराई है और फिर क्या कार्यवाही की है ?

अध्यक्ष महोदय : अभी आप पूछ रहे हैं कि स्पेशल पुलिस के जरिये जांच कराई गई है या नहीं और फिर आप ने यह भी पूछा हुआ है कि स्पेशल पुलिस ने जहां जांच की है और कुछ कार्यवाही की है वहां करप्शन में कितनी कमी हुई है ?

श्री क० ना० तिवारी : वह तो आगया है स्टेटमेंट में । इसलिये मैं यह जानना चाहता हूं क्योंकि पबलिक अंडरटेकिंग्स के बारे में भी स्पेशल पुलिस ने कुछ क़दम उठाया है ?

Shri Harish Chandra Mathur: In taking this commendable step by the Special Police Establishment to minimise corruption, may I know what steps have been taken by Government to ensure that there is no demoralisation in the services and officers not being prepared to take responsibility? May I know whether this fact has been brought to the notice of Government?

The Minister of Home Affairs (Shri Nanda): Yes, Sir; there was some talk at some stage that because strong action was being taken against corrupt practices, there was demoralisation and unpreparedness to take decisions. I was certainly disturbed by that and I thought it should not be that while trying to root out an evil, we create another evil. I had it looked into and I am assured by a very proper survey of the whole field of the services that that apprehension was unfounded.

Shri Hari Vishnu Kamath: Is it not a fact that there have been several instances or cases where the working of the SPE has been hamstrung or impeded owing to interference in investigation by interested Ministers and other high-ups, and if so, have Government devised a code of conduct for Ministers to ensure that there is no interference by Ministers in investigations by the SPE?

Shri Nanda: I thought that the hon. Member will have something on which to base a general reflection like this. There is no truth in that. As far as my knowledge is concerned, there is no interference in the working of the SPE by any Minister, including the Home Minister.

Dr. Sarojini Mahishi: In view of the fact that an enquiry was carried on against some of the *prima facie* charges of corruption against the Director-General of Tourism and probably in consequence of that....

Mr. Speaker: Why should she anticipate? There is a separate question on that subject on the list today.

Shri Kapur Singh: May I know whether any complaint or evidence has been received by the Government indicating non-rectitude on the part of the personnel of the SPE and if so, what action has been taken?

Shri Hathi: No, Sir; there have been no complaints about the SPE.

Shri R. Ramanathan Chettiar: May I know what are the functions that are allotted to the SPE and what are the functions that are allotted to the CBI?

Shri Hathi: SPE is he Special Police Esablishment, for which we have an Act of Parliament. Their functions are defined there. The CBI is the Central Bureau of Investigation. They collect information.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार यह बतलाने की कृपा करेगी कि इस स्पेशल पुलिस से यह जरायम और भ्रष्टाचार आदि रोकने में कितनी मदद मिल सकी है जब कि यहीं नई दिल्ली में प्रधान मंत्री जी के बंगले के पास के बंगले में भारत के सोलीसिटर जनरल को कुछ बदमाशों द्वारा मच्छर की तरह से मसल कर मार दिया

गया तो उस पुलिस से कौन सहयोग लिया जा सका ?

श्री हाथी : पुलिस ने उस मामले में तहक़ीक़ात की थी ।

Shri Nath Pai: Will the hon. Home Minister, Mr. Nanda, tell us if he has finally made up his mind as to the desirability of employing the SPE for investigating charges of corruption against Ministers, in view of the opposition from some of his Cabinet colleagues, including his very distinguished colleague sitting at his right, who has given his opinion that the SPE should not be made to look into charges of corruption against Ministers?

Shri Nanda: Even in the Orissa case, the SPE did not enquire into the case. All that they did there was, in relation to the allegations, they went with the consent of the Government there to get the records which pertain to those allegations.

Shri Nath Pai: Sir, Shri Nanda is developing the art to almost perfection of getting out of a difficult question and for that he deserves all credit as a parliamentarian.

Mr. Speaker: Another art is developed on my left side to create some difficulty.

Shri Hari Vishnu Kamath: The Opposition's duty is to do that.

Shri Nath Pai: You must help us, Sir, to get the information asked.

Mr. Speaker: Surely I will do that. I assure the hon. Members that I will do my best. Let us go to the next question.

श्री म० ला० द्विवेदी : मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है । मैं पूरक प्रश्न पूछने के लिए प्रारम्भ में ही खड़ा हुआ था लेकिन चूंकि माननीय सदस्य, श्री मालवीय जी सामने हैं, इसलिये आप की दृष्टि इधर नहीं आती है । हम लोगों को इतने महत्वपूर्ण प्रश्न पर खड़े होने के बावजूद नहीं बुलाया जाता है और जो माननीय सदस्य खड़े नहीं होते हैं, उन को पहले बुला लिया जाता है ।

Shri Bhagwat Jha Azad: Sir, we also tried to catch your eye. There is no point of order in that.

अध्यक्ष महोदय : मैं हैरान हूं कि इस में व्यवस्था का प्रश्न कैसे आ सकता है । मैं हर एक सवाल में सब माननीय सदस्यों को कैसे बुला सकता हूं ? मैं ने दोनों तरफ़ के माननीय सदस्यों को बुलाने की कोशिश की है ।

Shri D. C. Sharma: His was an appeal for mercy and not a point of order.

Mr. Speaker: I will ask Shri D. C. Sharma to pity me under these circumstances.

दिल्ली में विदेशियों की मूर्तियां

\+

*635 **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री जगदेव सिंह सिद्धांती :
श्री बागड़ी :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री राम सेवक यादव :
श्री हरि विष्णु कामत :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली तथा नई दिल्ली से विदेशियों की कितनी मूर्तियां अभी नहीं हटाई गई हैं ;

(ख) उन के कब तक हटा दिये जाने की सम्भावना है;

(ग) क्या उन स्थानों पर प्रसिद्ध भारतीय नेताओं की मूर्तियां लगाई जायेंगी; और